



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 12 अक्टूबर, 2004/20 अश्विन, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

परिवहन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 30 सितम्बर, 2004

संख्या टी० पी० टी०-एफ(६) २/२०००.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश राजभाषा अधिनियम, १९७५ (१९७५ का १) की धारा ५ के अनुसरण में, हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम १९७२, की धारा-२१ के अधीन बनाए गए, हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (प्रथम संशोधन) नियम, २००३ जिसे अन्तिम रूप में अधिसूचना संख्या टी० पी० टी०-एफ० (६) २/२०००, दिनांक २६-७-२००२ द्वारा पूर्व प्रकाशन के पश्चात्, अधिसूचित किया गया था, का राजभाषा पाठ प्रकाशित करते हैं।

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान (प्रथम संशोधन) नियम, २००२ है।

(२) ये राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में अन्तिम प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

२. नियम-२ का संशोधन.—(१) हिमाचल प्रदेश मोटरयान कराधान नियम, १९७४ जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के खण्ड घ और ज में "१९३९" श्रृंखला के स्थान पर "१९८८" श्रृंखला प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

3. नियम 4क का जोड़ा जाना.—(1) उक्त नियमों के नियम के पश्चात् निम्नलिखित नियम 4क जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

4-क. कर के संदाए में देरी के लिए शास्ति.—यदि मोटरयान का स्वामी, उक्त नियमों के नियम 4 में विहित समय के भीतर अधिनियम के अधीन देय कर का संदाए करने में असफल रहता है, तो कटाधान प्राधिकारी, यदि स्वामी द्वारा ऐसी वांछा की गई है, सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् निदेश दे सकेगा कि ऐसा स्वामी कर के संदाए में देरी के लिए निम्नलिखित शास्ति संदस्त करेगा :—

#### धारा-3 क अधीन देय कर

- |                                     |                             |
|-------------------------------------|-----------------------------|
| (i) पन्द्रह दिन तक देरी             | .. पचास रुपए प्रतिदिन       |
| (ii) सोलहवें दिन से तीस दिन तक देरी | .. सौ रुपए प्रतिदिन         |
| (iii) इकतीसवें दिन से आगे तक देरी   | .. एक सौ पचास रुपए प्रतिदिन |

#### धारा 3-क के अधीन देय कर

- |                                     |                        |
|-------------------------------------|------------------------|
| (i) पन्द्रह दिन तक देरी             | पचास रुपए प्रतिदिन     |
| (ii) सोलहवें दिन से तीस दिन तक देरी | एक सौ रुपए प्रतिदिन    |
| (iii) इकतीसवें दिन से आगे तक देरी   | तीन सौ रुपए प्रतिदिन : |

परन्तु सदग्रहीत शास्ति ऐसे स्वामी से देय कर की रकम से अधिक नहीं होगी ।

4. नियम 8 का संशोधन.—(1) उक्त नियमों के नियम 8 के उप-नियम (1) के स्थान पर निम्न-लिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

- (1) "नियम 6 के अधीन जारी किया गया टोकन यान पर सभी समय, जब यह प्रयोग में हो या किसी सार्वजनिक स्थान में प्रयोग हेतु रखा हो, निम्नलिखित रीति में प्रमुख रूप से सम्प्रदर्शित किया जाएगा :—
- (क) मोटरसाईकिल, साईडकार वाली मोटरसाईकिल, मोटर तिपहिया और मोटर स्कूटरों की दशा में यान की बाईं ओर सहज दृश्य स्थान पर ।
- (ख) अन्य मोटरयानों की दशा में सामने की ओर का रुख करके विडस्क्रीन (सामने का शीशा) के नीचे के बाईं ओर के कोने या यदि यान में विडस्क्रीन नहीं लगा है तो यान की बाईं ओर किसी अन्य सहजदृश्य स्थान पर चिपकाया जाएगा ।"

आदेश द्वारा,

अभय शुक्ला (भा0 प्र0 से0),  
प्रधान सचिव ।